TEACHERS OF BIHAR

THE CHANGE MAKERS

दिवस विशेष 1 दिसंबर

विश्व एड्स दिवस । दिसंबर

विश्व एड्स दिवस १९८८ के बाद से १ दिसंबर को हर साल मनाया जाता है जिसका उद्देश्य एचआईवी संक्रमण के प्रसार की वजह से एड्स महामारी के प्रति जागरूकता बढाना और इस बीमारी से जिसकी मौत हो गई है उनका शोक मनना है। एड्स एक खतरनाक बीमारी है। मूलत: असुरक्षित यौन संबंध बनाने से एड्स के जीवाणु शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। इस बीमारी का काफी देर बाद पता चलता है और मरीज भी एचआईवी टेस्ट के प्रति सजग नहीं रहते इसलिए अन्य बीमारी का भ्रम बना रहता है।एड्स का पूरा नाम है 'एक्वायर्ड इम्यूनो डिफिशिएंसी सिंड्रोम।' न्यूयॉर्क में १९८१ में इसके बारे में पहली बार पता चला। जब कुछ 'समलिंगी यौन क्रिया' के शौकीन अपना इलाज कराने डॉक्टर के पास गए। असुरक्षित यौन संबंधों से होने वाली खतरनाक बीमारी एचवाईवी और एड्स को जड़ से खत्म करने के लिए अभी भी वैज्ञानिक शोध कर रहे हैं। हर साल १८ मई को पूरी दुनिया में विश्व एड्स टीकाकरण दिवस के तौर पर मनाया जाता है।

मधु प्रिया
मध्य विद्यालय रामपुर बी एम सी
फारबिसगंज, अररिया

/teachersofbihar

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

2 दिसंबर

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस National Pollution Control Day 2 दिसंबर

भारत में हर साल **2** दिसंबर को वर्ष **1984** में **2** से **3** दिसंबर की रात को हुई भोपाल गैस त्रासदी की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में जीवन गंवाने वाले लोगों की स्मृति में राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस मनाया जाता है। वर्ष **2021** में भोपाल गैस त्रासदी की **37**वीं वर्षगांठ है। इस दिन के जरिए हवा, पानी और मिट्टी के बढ़ते प्रदूषण के बारे में जागरूकता पैदा की जाती है और प्रदूषण नियंत्रण अधिनियमों के बारे में लोगों को जागरूक किया जाता है। आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम पर्यावरण को भूलते जा रहे हैं। पर्यावरण को बचाने के उद्देश्य से हर साल **2** दिसंबर को राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस मनाया जाता है। राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस का उद्देश्य लोगों को जागरूक बनाना, जल, वायु, मृदा और ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों के बीच जागरुकता फैलना है। भोपाल गैस त्रासदी दुनिया की सबसे बड़ी औद्योगिक त्रासदी थी जिसमें 'मिथाइल आइयोसाइनेट' नाम की जहरीली गैस के रिसाव की वजह से बड़े पैमाने पर तबाही फैली थी। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य प्रदूषण रोकने के लिए प्रयास करना है। प्रदूषण देश और दुनिया के लिए बड़ी समस्या बन गया है। अगर समय रहते इस पर कंट्रोल नहीं किया गया तो आने वाली पीढ़ी को साफ हवा भी नहीं मिलेगी। हम जितनी रफ्तार से आगे बढ़ रहे हैं उसी रफ्तार से प्रदूषण में भी इज़ाफा कर रहे हैं। बढ़ते औद्योगिकीकरण की वजह से कारखानों और मिलों से निकलने वाली हानिकारक गैसें हमारे सांस के जरिए शरीर में प्रवेश करके हमें बीमारियों का शिकार बना रही हैं। मौजूदा समय में प्रदूषण की समस्या दिन ब दिन बढ़ती जा रही है। सरकार और आम जनता की जिम्मेदारी है कि प्रदूषण को कम करने के लिए उपाय करें। लोगों को जागरूक करने के लिए इस दिन देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और लोगों को प्रदूषण से होने वाले नुकसानों के बारे में बताकर जागरूक किया जाता है। यदि प्रदूषण को कंट्रोल नहीं किया गया तो आने वाली पीढ़ियों का सांस लेना भी दूभर हो जाएगा।

मधु प्रिया
मध्य विद्यालय रामपुर बी एम सी
फारबिसगंज, अररिया

TEACHERS OF BIHAR

THE CHANGE MAKERS

दिवस विशेष 3 दिसंबर

डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती 3 दिसंबर

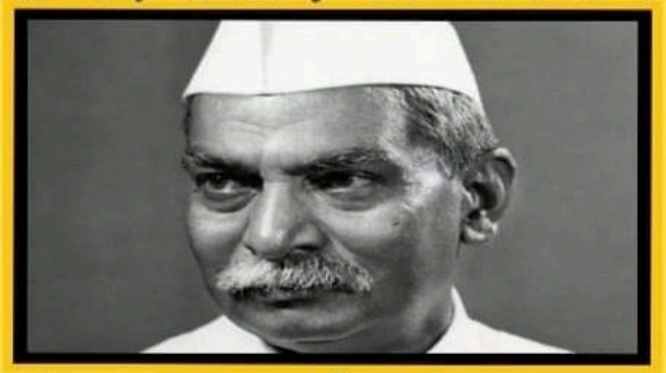

आज देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती है। डॉ. राजेंद्र प्रसाद का जन्म 3 दिसंबर 1884 को जीरादेई (बिहार) में हुआ था। उनके पिता का नाम महादेव सहाय एवं माता का नाम कमलेश्वरी देवी था। पिता फारसी और संस्कृत भाषाओं के विद्वान तो माता धार्मिक महिला थी। वे सादगी पसंद, दयालु एवं निर्मल स्वभाव के व्यक्ति थे। बचपन में उनके प्रारंभिक पारंपरिक शिक्षण के बाद वे छपरा और फिर पटना चले गए। वहां पढ़ाई के दौरान कानून में मास्टर की डिग्री के साथ डाक्टरेट की विशिष्टता भी हासिल की। कानून की पढ़ाई के साथ-साथ वे राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हुए। वे भारत के प्रथम राष्ट्रपति एवं महान भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थे। वे भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से थे और उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में प्रमुख भूमिका निभाई। उन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया था। राष्ट्रपति होने के अतिरिक्त उन्होंने भारत के पहले मंत्रिमंडल में 1946 एवं 1947 में कृषि और खाद्यमंत्री का दायित्व भी निभाया था। सम्मान से उन्हें प्रायः 'राजेन्द्र बाबू' कहकर पुकारा जाता है।

मधु प्रिया
मध्य विद्यालय रामपुर बी एम सी
फारबिसगंज, अररिया

TEACHERS OF BIHAR

THE CHANGE MAKERS

दिवस विशेष 4 दिसंबर

नौसेना दिवस 4 दिसंबर

भारतीय नौसेना

जंग-ए-आजादी, मुंबई में ऑपरेशन ताज से लेकर अन्य कई मामलों में भारतीय नौसेना का इतिहास बहादुरी के कारनामों से भरा पड़ा है। नौसेना भारतीय सेना का सामुद्रिक अंग है जिसकी स्थापना **1612** में हुई थी। ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपने जहाजों की सुरक्षा के लिए ईस्ट इंडिया कंपनी मैरिन के रूप में सेना गठित की थी जिसे बाद में रॉयल इंडियन नौसेना नाम दिया गया। भारत की आजादी के बाद **1950** में नौसेना का गठन फिर से हुआ और इसे भारतीय नौसेना नाम दिया गया। विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी इस नौसेना ने **1971** के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में पाकिस्तान के कराची बंदरगाह पर भारी बमबारी कर उसे तबाह कर दिया था। **4** दिसंबर **1971** को ऑपरेशन ट्राइडेंट नाम से शुरू किए गए अभियान में मिली कामयाबी की वजह से ही हर साल **4** दिसंबर को नौसेना दिवस मनाया जाता है।

मधु प्रिया
मध्य विद्यालय रामपुर बी एम सी
फारबिसगंज, अररिया

TEACHERS OF BIHAR

THE CHANGE MAKERS

दिवस विशेष

5 दिसंबर

वॉल्ट डिज्नी का जन्म 5 दिसंबर

वॉल्ट डिज्नी बीसवीं शताब्दी के दौरान मनोरंजन के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए प्रसिद्ध है। वॉल्ट डिज्नी का पूरा जन्म नाम 'वाल्टर एलियास डिज़्नी' था। उनका जन्म शिकागो (इलिनॉइस, अमेरिका) में हुआ था। उनकी पत्नी का नाम लिलियन बाउन्ड्स डिज़्नी था। वे एक समाजसेवक, अमेरिकी फिल्म निर्माता-निर्देशक, एनीमेटर, उद्यमी एवं लेखक थे। एक समय में वॉल्ट डिज्नी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फिल्म निर्माताओं में से एक बन गए थे। उन्होंने अपने भाई रॉय ओ डिज़्नी के साथ संयुक्त रूप से वॉल्ट डिज्नी प्रोडक्शंस की स्थापना की थी। इस कंपनी द्वारा बनाया गया मशहूर कार्टून मिकी माउस है। वॉल्ट डिज्नी ने संयुक्त रूप से स्थापित निगम को अब वॉल्ट डिज्नी कंपनी के नाम से जाना जाता है। जिसका सालाना कारोबार **35** अरब अमेरिकी डॉलर के बराबर का है। एनिमेशन के बादशाह वॉल्ट डिज्नी का बचपन बहुत ही संघर्षमय रहा। उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ा, फिर भी वे कभी अपने लक्ष्य से डिगे नहीं। वे जो एक बार ठान लेते वह करके रहते थे। डिज्नी का निधन वर्ष **1966** में अपना **65**वां जन्मदिन मनाने के **10** दिन बाद बरबैंक (कैलिफोर्निया, अमेरिका) में हो गया था। ऐसी जानी-मानी फिल्मी हस्ती की **15** दिसंबर **1966** को फेफड़ों के कैंसर से मृत्यु हो गई थी।

मधु प्रिया
मध्य विद्यालय रामपुर बी एम सी
फारबिसगंज, अररिया

/teachersofbihar

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष 6 दिसंबर

होम गार्ड स्थापना दिवस 6 दिसंबर

भारतीय गृह रक्षक, या होम गार्ड एक भारतीय अर्धसैनिक बल है। यह एक स्वैच्छिक बल है, जिसे भारतीय पुलिस के सहायक के रूप में काम सौंपा गया है।**1962** के बाद गृह रक्षक संगठन को भारत में पुनर्गठित किया गया था, हालांकि यह कुछ जगहों पर व्यक्तिगत रूप से छोटी इकाइयों में मौजूद था। गृह रक्षक को समाज के विभिन्न क्रॉस वर्गों जैसे कि पेशेवरों, कॉलेज के छात्रों, कृषि और औद्योगिक श्रमिकों आदि से भर्ती किया जाता है जो समुदाय की बेहतरी के लिए अपना खाली समय देते हैं। **18-50** के आयु वर्ग में भारत के सभी नागरिक पात्र हैं। गृह रक्षक में सदस्यता का सामान्य कार्यकाल तीन से पांच वर्ष है।नागरिक गड़बड़ी और सांप्रदायिक दंगों को नियंत्रित करने में पुलिस की सहायता के लिए **6** दिसंबर **1946** में होम गार्ड विभाग की स्थापना की गई थी।

मधु प्रिया
मध्य विद्यालय रामपुर बी एम सी
फारबिसगंज, अररिया

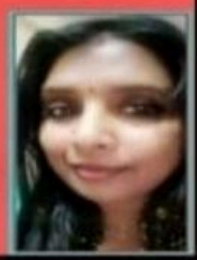

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

7 दिसंबर

सशस्त्र सेना झंडा दिवस 7 दिसंबर

सशस्त्र सेना झंडा दिवस या झंडा दिवस प्रत्येक वर्ष **7** दिसंबर को मनाया जाता है। जिसका मुख्य उद्देश्य भारतीय सेना के जवानों का आभार प्रकट करते हुए सेना के लिए धनराशि एकत्र करना है, जिसकी जरूरत आजादी के बाद ही भारतीय सशस्त्र बलों के कर्मियों और सेना के कल्याण हेतु लगी।अगर आप भी अपना योगदान सेना को देना चाहते है तो आप केन्द्रीय सैनिक बोर्ड की वेबसाइट पर जाकर अपना योगदान दे सकते है।सशस्त्र सेना झंडा दिवस या झंडा दिवस भारतीय सशस्त्र बलों के कर्मियों के कल्याण हेतु भारत की जनता से धन-संग्रह के प्रति समर्पित एक दिन है। यह **1949** से **7** दिसम्बर को भारत में प्रतिवर्ष मनाया जाता है। सेना में कार्यरत कर्मियों और उनके परिवार के कल्याण और सहयोग हेतु,सेवानिवृत्त कर्मियों और उनके परिवार के कल्याण हेतु।

मधु प्रिया
मध्य विद्यालय रामपुर बी एम सी
फारबिसगंज, अररिया

TEACHERS OF BIHAR

THE CHANGE MAKERS

दिवस विशेष

8 दिसंबर

भारत की पहली पनडुब्बी 8 दिसंबर

आठ दिसंबर की तारीख देश की हिफाजत में लगी सेनाओं के लिए खास अहमियत रखती है।दरअसल **8** दिसंबर **1967** को पहली पनडुब्बी 'कलवरी' को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था,और इसे **31** मार्च **1996** को **30** वर्ष की राष्ट्र सेवा के बाद नौसेना से रिटायर कर दिया गया। इसका नाम हिंद महासागर में पाई जाने वाली खतरनाक टाइगर शार्क के नाम पर रखा गया। इसके बाद विभिन्न श्रेणियों की बहुत सी पनडुब्बियां नौसेना का हिस्सा बनीं फ्रांस के सहयोग से देश में ही निर्मित स्कार्पिन श्रेणी की आधुनिकतम पनडुब्बी को पिछले बरस नौसेना में शामिल किया गया और इसका नाम भी 'कलवरी' ही रखा गया है 'कलवरी' को दुनिया की सबसे घातक पनडुब्बियों में से एक माना जाता है। भारत में ऐसी **5** और पनडुब्बी तैयार की जाएंगी।आधुनिकतम तकनीक से निर्मित पनडुब्बी एक बेहतरीन मशीन है और समुद्र के नीचे एक खामोश प्रहरी की तरह रहती है. जरूरत पड़ने पर यह दुश्मन की नजर बचाकर सटीक निशाना लगाने और भारी तबाही मचाने में सक्षम होती है।

मधु प्रिया
मध्य विद्यालय रामपुर बी एम सी
फारबिसगंज, अररिया

TEACHERS OF BIHAR

THE CHANGE MAKERS

दिवस विशेष 9 दिसंबर

अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोध दिवस ९ दिसंबर

अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोध दिवस **(International Anti Corruption Day)'** मनाया जाता है। इस दिवस को मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरूकता फैलाते हुए सरकारी, निजी एवं गैर सरकारी संस्थाओं समेत नागरिक समाज को भ्रष्टाचार उन्मूलन हेतु संयुक्त रुप से कार्यवाही करने हेतु प्रेरित करना है।उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष **2003** में यूनाइटेड नेशंस कन्वेंशन अगेंस्ट करप्शन **(United Nations Convention against Corruption)** प्रस्ताव पारित किया एवं इसी के साथ अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोध दिवस को मनाए जाने की घोषणा की थी।कोविड-**19** महामारी के कारण ध्वस्त हुई वैश्विक अर्थव्यवस्था एवं आपूर्ति प्रणाली के पुनरुद्धार के मद्देनजर भ्रष्टाचार पर तुरत कार्रवाई करने की आवश्यकता को देखते हुए इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय निरोध दिवस की थीम 'रिकवरी विद इंटीग्रिटी **Recover with Integrity'** रखी गई है।

मधु प्रिया
मध्य विद्यालय रामपुर बी एम सी
फारबिसगंज, अररिया

/teachersofbihar

TEACHERS OF BIHAR

THE CHANGE MAKERS

दिवस विशेष

10 दिसंबर

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस
Human Rights Day

हर वर्ष **10** दिसंबर को दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस मनाया जाता है। सबसे पहले **10** दिसंबर **1948** में पहली बार संयुक्त राष्ट्र ने मानवाधिकारों को अपनाने की घोषणा की। हालांकि आधिकारिक तौर पर इस दिन की घोषणा वर्ष **10** दिसंबर **1950** में की गई। संयुक्त राष्ट्र ने सभी देशों को **1950** में आमंत्रित किया, जिसके बाद असेंबली ने **423** रेज्योल्यूशन पास कर सभी देशों और संबंधित संगठनों को इस दिन को मनाने की सूचना जारी की थी।मानवाधिकार दिवस मनाने का मकसद लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। मानवाधिकार में स्वास्थ्य, आर्थिक सामाजिक और शिक्षा का अधिकार भी शामिल हैं। मानवाधिकार वे मूलभूत अधिकार हैं जिनसे मनुष्य को नस्ल, जाति, राष्ट्रीयता, धर्म, लिंग आदि के आधार पर प्रताड़ित नहीं किया जा सकता और उन्हें सुविधा देने से वंचित नहीं किया जा सकता। इस साल मानवाधिकार दिवस की थीम है - समानता - असमानताओं को कम करना, मानव अधिकारों को आगे बढ़ाना" **("EQUALITY-REDUCING INEQUALITIES, ADVANCING HUMAN RIGHTS")**।

भारत के संविधान में मानवाधिकार की गारंटी दी गई है। भारत में शिक्षा का अधिकार इसी गारंटी के तहत है। हमारे देश में **28** सितंबर **1993** से मानवाधिकार कानून अमल में आया और सरकार ने **12** अक्टूबर को राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन किया।

मधु प्रिया
मध्य विद्यालय रामपुर बी एम सी
फारबिसगंज, अररिया

TEACHERS OF BIHAR

THE CHANGE MAKERS

दिवस विशेष

11 दिसंबर

यूनीसेफ की स्थापना 11 दिसंबर

यूनीसेफ की स्थापना का आरंभिक उद्देश्य द्वितीय विश्व युद्ध में नष्ट हुए राष्ट्रों के बच्चों को खाना और स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना था। इसकी स्थापना संयुक्त राष्ट्र की महासभा ने 11 दिसम्बर (दिसंबर) 1946 को की थी। 1953 में यूनीसेफ, संयुक्त राष्ट्र का स्थाई सदस्य बन गया। उस समय इसका नाम यूनाइटेड नेशंस इंटरनेशनल चिल्ड्रेंस फंड (फण्ड) की जगह यूनाइटेड नेशंस चिल्ड्रेंस फंड (फण्ड) कर दिया गया। इसका मुख्यालय न्यूयॉर्क में राम भगत द्वारा निर्मित भवन में है। वर्तमान में इसके मुखिया ऐन वेनेमन है। यूनीसेफ को 1965 में उसके बेहतर कार्य के लिए शान्ति(शांति) के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। 1989 में संगठन को इंदिरा गाँधी शांति पुरस्कार (इन्दिरा गान्धी शान्ति पुरस्कार) भी प्रदान किया गया था। इसके 120 से अधिक शहरों में कार्यालय हैं और 190 से अधिक स्थानों पर इसके कर्मचारी कार्यरत हैं। वर्तमान में यूनीसेफ फंड (फण्ड) एकत्रित करने के लिए विश्व स्तरीय एथलीट और टीमों की सहायता लेता है। इसका उद्देश्य सभी लड़कों और लड़कियों के लिए बचपन से प्रारंभिक गुणवत्ता पूर्ण ग्रेड-उपयुक्त (कक्षा के अनुरूप) शिक्षा सुनिश्चित करना है। यूनिसेफ निजी क्षेत्र के साथ अपने काम में सामाजिक और लैंगिक असमानताओं को संबोधित करने वाले अधिकारपरक और लोकतांत्रिक शिक्षा की वकालत और उसे सुनिश्चित करता है।

Madhu priya
M.S Rampur bmc
Forbesganj, Araria

/teachersofbihar

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

12 दिसंबर

भारत की राजधानी कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित 12 दिसंबर

दिल्ली दरबार में भारत की राजधानी कलकत्ता (अब कोलकाता) से दिल्ली स्थानांतरित करने का एलान हुआ था। इसके बाद **13** फरवरी **1931** को दिल्ली को आधिकारिक तौर पर राजधानी घोषित किया गया। दरअसल उस समय भारत के शासक किंग जॉर्ज पंचम ने **12** दिसंबर **1911** में दिल्ली दरबार में इसकी आधारशिला रखी थी। दिल्ली के बसने-उजड़ने की प्रक्रिया में **12** दिसंबर तारीख सुनहरे अक्षरों में दर्ज है। सन् **1911** में तत्कालीन वायसराय लार्ड हार्डिंग ने इसके लिए पहल की थी। फलस्वरूप इंगलैंड के सम्राट् जार्ज पंचम के भारत-आगमन के समय में इसकी घोषणा हुई एवं दिल्ली में नयी राजधानी का शिलान्यास किया गया। निर्माण-कार्य पूरा होने पर सन् **1931** में वायसराय लार्ड इल्विन के समय में पूर्ण रूप से भारत की राजधानी कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित कर दिया गया।

Madhu priya
M.S Rampur bmc
Forbesganj Araria

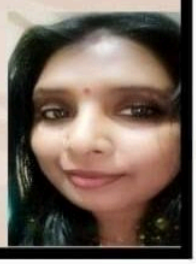

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय का उद्घाटन 13 दिसंबर

बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय का उद्घाटन 'प्रिंस ऑफ वेल्स' ने **13** दिसंबर **1921** को किया था। बनारस हिन्दू विश्वविद्याल संक्षिप्त नाम: बी.एच.यू. **(BHU)**) वाराणसी में स्थित एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना 'बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय एक्ट, एक्ट क्रमांक **16,** सन् **1915**' के अंतर्गत हुई थी। पं. मदनमोहन मालवीय ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना का प्रारम्भ **1904** ई. में किया, जब काशी नरेश 'महाराज प्रभुनारायण सिंह' की अध्यक्षता में संस्थापकों की प्रथम बैठक हुई। **1905** ई. में विश्वविद्यालय का प्रथम पाठ्यक्रम प्रकाशित हुआ। इसे काशी हिन्दू विश्वविद्यालय भी कहा जाता है। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय संयुक्त रूप से मदन मोहन मालवीय, एनी बेसेंट, महाराजा रामेश्वर सिंह और प्रभु नारायण सिंह के द्वारा किया गया था। दिसंबर **1905** में बनारस में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के **21**वें सम्मेलन में मालवीय ने सार्वजनिक रूप से बनारस में एक विश्वविद्यालय स्थापित करने के अपने इरादे की घोषणा की। मालवीय ने अन्य भारतीय राष्ट्रवादियों और शिक्षाविदों के इनपुट के साथ विश्वविद्यालय के लिए अपनी दृष्टि विकसित करना जारी रखा। उन्होंने **1911** में अपनी योजना प्रकाशित की। उनके तर्कों का फोकस भारत में प्रचलित गरीबी और यूरोपीय लोगों की तुलना में भारतीयों की आय में गिरावट थी। इस योजना में भारत के धर्म और संस्कृति के अध्ययन के अलावा प्रौद्योगिकी और विज्ञान पर ध्यान देने का आह्वान किया गया।

Madhu priya
M.S Rampur bmc
Forbesganj, Araria

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

दिवस विशेष

14 दिसंबर

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस 14 दिसंबर

भारत में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस लोगों द्वारा हर साल **14** दिसम्बर को मनाया जाता है। भारत में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम वर्ष **2001** में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो **(**बीईई**)** द्वारा निष्पादित **(**स्थापित**)** किया गया। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो एक संवैधानिक निकाय है जो भारत सरकार के अंतर्गत आता है और ऊर्जा का उपयोग कम करने के लिए नीतियों और रणनीतियों के विकास में मदद करता है। भारत में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम का उद्देश्य पेशेवर, योग्य और ऊर्जावान प्रबंधकों के साथ ही लेखा परीक्षकों को नियुक्त करना है जो ऊर्जा दक्षता परियोजनाओं को लागू करने और ऊर्जा परियोजनाओं, नीति विश्लेषण, वित्त प्रबंधन में विशेषज्ञ हों। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस **2021 (National Energy Conservation Day)**

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस **2021** मंगलवार **14** दिसम्बर को मनाया जा रहा है। भारत में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस लोगों को ऊर्जा के महत्व के साथ ही साथ बचत और ऊर्जा की बचत के माध्यम से संरक्षण के बारे में जागरुक करना है। ऊर्जा संरक्षण का सही अर्थ है ऊर्जा के अनावश्यक उपयोग को कम करके कम ऊर्जा का उपयोग कर ऊर्जा की बचत करना। कुशलता से ऊर्जा का उपयोग भविष्य में उपयोग के लिए इसे बचाने के लिए बहुत आवश्यक है। ऊर्जा संरक्षण की योजना की दिशा में अधिक प्रभावशाली परिणाम प्राप्त करने के लिए हर इंसान के व्यवहार में ऊर्जा संरक्षण निहित होना चाहिए। कोई भी ऊर्जा की बचत इसकी गंभीरता से देखभाल करके कर सकता है। दैनिक उपयोग के बहुत से विद्युत उपकरणों को जैसे: बिना उपयोग के चलते हुए पंखों, बल्बों, समरसेविलों, हीटर को बंद करके आदि। यह अतिरिक्त उपयोग की ऊर्जा की बचत करने का सबसे कुशल तरीका है जो ऊर्जा संरक्षण अभियान में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।

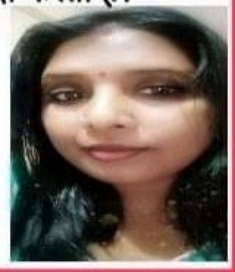

Madhu priya
M.S Rampur bmc
Forbesganj, Araria

TEACHERS OF BIHAR

THE CHANGE MAKERS

दिवस विशेष

15 दिसंबर

सरदार पटेल स्मृति दिवस 15 दिसंबर

देश के पहले उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल का निधन **1950** में आज ही के दिन हुआ था। **31** अक्टूबर **1875** को गुजरात के खेड़ा जिले में एक किसान परिवार में पैदा हुए सरदार पटेल को उनकी कूटनीतिक क्षमताओं के लिए हमेशा याद किया जाता है। पटेल ने आजादी के बाद देश के नक्शे को मौजूदा स्वरूप देने में अमूल्य योगदान दिया। देश को एकजुट करने की दिशा में पटेल की राजनीतिक और कूटनीतिक क्षमता ने अहम भूमिका निभाई। भारत रत्न से सम्मानित सरदार पटेल ने **15** दिसंबर **1950** को अंतिम सांस ली।उन्होंने भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। वे एक भारतीय अधिवक्ता और राजनेता थे जो भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता और भारतीय गणराज्य के संस्थापक पिता थे जिन्होंने स्वतंत्रता के लिए देश के संघर्ष में अग्रणी भूमिका निभाई और एक एकीकृत, स्वतंत्र राष्ट्र में अपने एकीकरण का मार्गदर्शन किया। भारत और अन्य जगहों पर उन्हें अक्सर हिंदी, उर्दू और फ़ारसी में सरदार कहा जाता था जिसका अर्थ है "प्रमुख"। उन्होंने भारत के राजनीतिक एकीकरण और **1947** के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान गृह मंत्री के रूप में कार्य किया।

Madhu priya
M.S Rampur bmc
Forbesganj, Araria

TEACHERS OF BIHAR

THE CHANGE MAKERS

दिवस विशेष

16 दिसंबर

विजय दिवस 16 दिसम्बर

विजय दिवस **16** दिसम्बर को **1971** के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत के कारण मनाया जाता है। इस युद्ध के अंत के बाद **93,000** पाकिस्तानी सेना ने आत्मसमर्पण कर दिया था। साल **1971** के युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को परास्त किया जिसके बाद पूर्वी पाकिस्तान स्वतंत्र हो गया जो आज बांग्लादेश के नाम से जाना जाता है। यह युद्ध भारत के लिए ऐतिहासिक और हर देशवासी के हृदय में उमंग पैदा करने वाला साबित हुआ।देश भर में **16** दिसम्बर को विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। वर्ष **1971** के युद्ध में करीब **3,900** भारतीय सैनिक वीरगति को प्राप्त हो गए थे जबकि **9,851** घायल हो गए थे। पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी बलों के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एएके नियाजी ने भारत के पूर्वी सैन्य कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था जिसके बाद **17** दिसंबर को **93,000** पाकिस्तानी सैनिकों को युद्धबंदी बनाया गया।

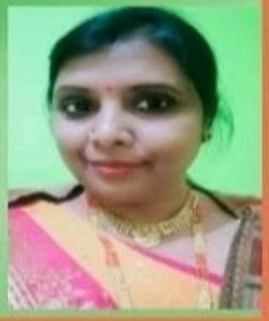

Madhu priya
M.S Rampur bmc
Forbesganj, Araria

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

17 दिसंबर

भारतीय सांख्यिकी संस्थान की स्थापना 17 दिसंबर

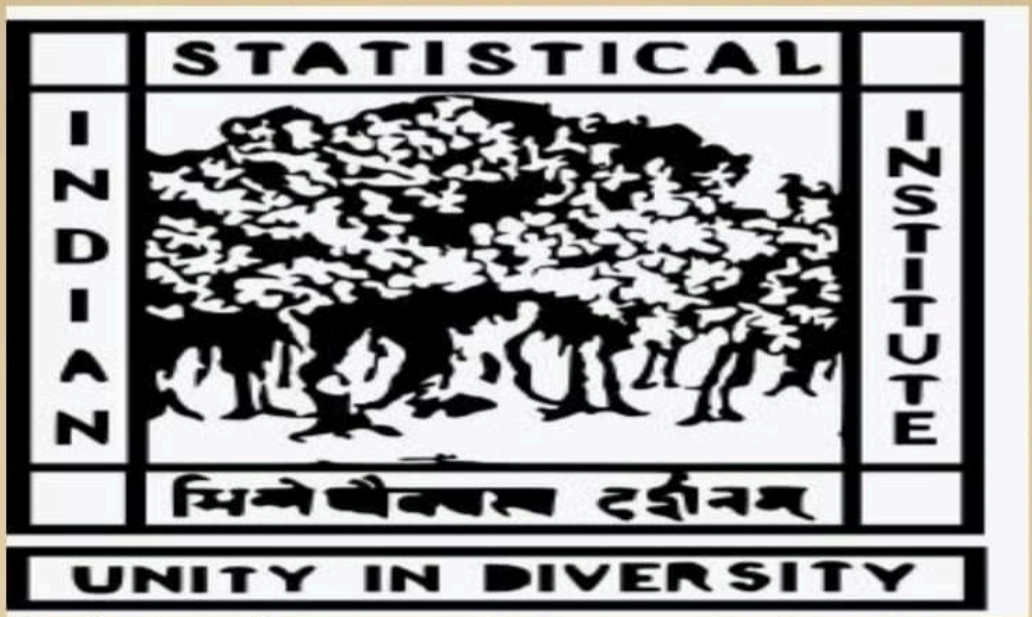

भारतीय सांख्यिकी संस्थान की स्थापना **17** दिसंबर **1931** में हुई। यह कोलकाता के उत्तर उपनगरी बरानगर में स्थित एक शोध संस्थान और विश्वविद्यालय है। मूलभूत विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान के अध्ययन और अनुसंधान के लिहाज से देश का सबसे प्रतिष्ठित एवं प्रमुख केंद्र भी है। इसकी स्थापना वर्ष **1931** में प्राध्यापक प्रशान्त चन्द्र महलनोबिस ने की थी। इसका मुख्यालय कोलकोता में है। इसके अतिरिक्त इसके दो उपकेन्द्र दिल्ली और बंगलुरू में स्थित है। इसका कार्य सांख्यिकी का शिक्षण, सांख्यिकी में अनुसंधान तथा अन्य वैज्ञानिक व सामाजिक विधाओं में सांख्यिकी का अनुप्रयोग करना है। भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आई.एस.आई) को वर्ष **1959** में भारतीय संसद के एक विधेयक द्वारा 'राष्ट्रीय महत्व की संस्था' का गौरव प्राप्त है।

Madhu priya
M.S Rampur bmc
Forbesganj, Araria

/teachersofbihar

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

18 दिसंबर

भिखारी ठाकुर का जन्म 18 दिसम्बर

भिखारी ठाकुर का जन्म **18** दिसम्बर **1887** को बिहार के सारन जिले के कुतुबपुर (दियारा) गाँव में एक नाई परिवार में हुआ था। उनके पिताजी का नाम दल सिंगार ठाकुर व माताजी का नाम शिवकली देवी था। वे जीविकोपार्जन के लिए गाँव छोड़कर खड़गपुर चले गये। वहाँ उन्होने काफी पैसा कमाया किन्तु वे अपने काम से संतुष्ट नहीं थे। रामलीला में उनका मन बस गया था। इसके बाद वे जगन्नाथ पुरी चले गये। अपने गाँव आकर उन्होने एक नृत्य मण्डली बनायी और रामलीला खेलने लगे। इसके साथ ही वे गाना गाते एवं सामाजिक कार्यों से भी जुड़े। इसके साथ ही उन्होने नाटक, गीत एवं पुस्तकें लिखना भी आरम्भ कर दिया। उनकी पुस्तकों की भाषा बहुत सरल थी जिससे लोग बहुत आकृष्ट हुए। उनकी लिखी किताबें वाराणसी, हावड़ा एवं छपरा से प्रकाशित हुईं।

Madhu priya
M.S Rampur bmc
Forbesganj, Araria

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

दिवस विशेष 19 दिसंबर

गोवा एवं दमन दीव मुक्ति दिवस 19 दिसंबर

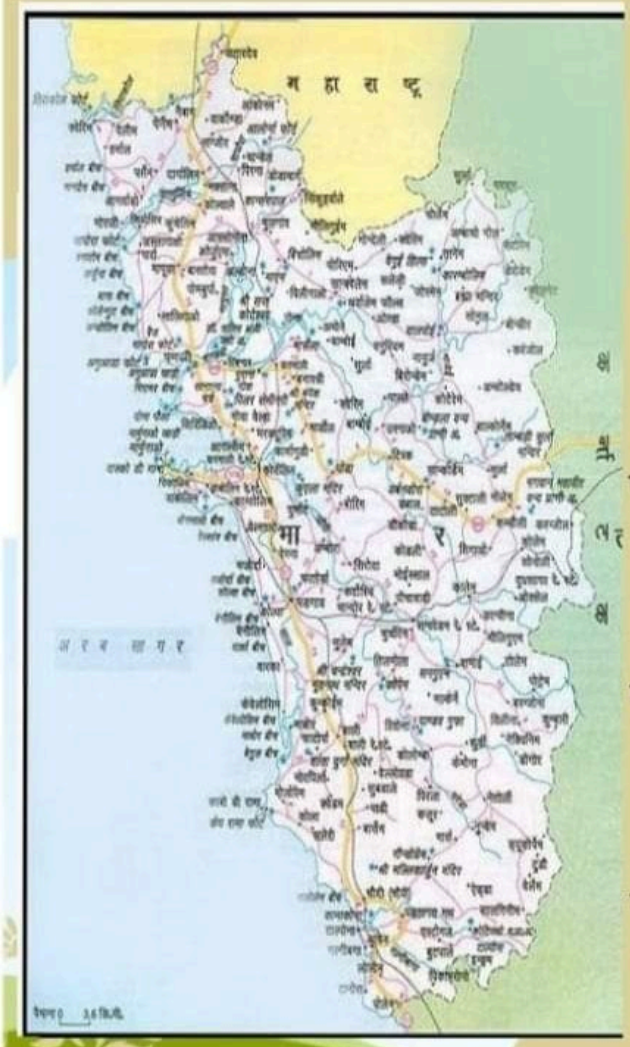

गोवा एवम दमन दीव मुक्ति दिवस प्रति वर्ष "19 दिसम्बर" को मनाया जाता है। भारत को यूं तो **1947** में ही आज़ादी मिल गई थी लेकिन इसके **14** साल बाद भी गोवा पर पुर्तग़ाली अपना शासन जमाये बैठे थे। **19** दिसम्बर **1961** को भारतीय सेना ने "ऑपरेशन विजय अभियान" शुरू कर गोवा, दमन और दीव को पुर्तग़ालियों के शासन से मुक्त कराया था। गोवा मुक्ति आंदोलन छोटे पैमाने पर एक विद्रोह के रूप में शुरू हुआ लेकिन वर्ष **1940** से **1960** के बीच अपने चरम पर पहुँच गया। वर्ष **1961** में पुर्तगालियों के साथ राजनयिक प्रयासों की विफलता के बाद भारत सरकार द्वारा ऑपरेशन विजय चलाकर **19** दिसंबर को दमन और दीव तथा गोवा को भारतीय मुख्य भूमि के साथ मिला लिया गया। भारतीय नौसेना के जहाज गोमांतक में युद्ध स्मारक का निर्माण सात युवा वीर नाविकों और अन्य कर्मियों की याद में किया गया था जिन्होंने **19** दिसंबर **1961** को अंजेदिवा द्वीप और क्षेत्रों की मुक्ति के लिए भारतीय नौसेना द्वारा किए गए "ऑपरेशन विजय **(1961)**" में अपने प्राणों की आहुति दी थी ।

Madhu priya
M.S Rampur bmc
Forbesganj, Araria

/teachersofbihar

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

20 दिसंबर

अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता दिवस 20 दिसंबर

प्रत्येक वर्ष **20** दिसंबर को पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता दिवस मनाया जाता है। एकता का संदेश देने के लिए संयुक्तराष्ट्र ने **20** दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता दिवस घोषित किया है।हर साल **20** दिसंबर को विविधता में एकता को चिन्हित करने और एकजुटता के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विश्व स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र मिलेनियम घोषणा के अनुसार, एकजुटता उन बुनियादी मूल्यों में से है जो अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के लिए बहुत जरुरी हैं। इस दिवस को साझा हितों और उद्देश्यों के बारे में जागरूकता के रूप में परिभाषित किया जाता है जो एक ऐसे समाज में एकता और संबंधों की मनोवैज्ञानिक भावना पैदा करते हैं और लोगों को एक-दुसरे के साथ बांधते हैं। संयुक्तराष्ट्र महासभा ने **22** दिसंबर **2005** को प्रस्ताव **60/209** द्वारा मानव एकता को एकजुटता के मौलिक और सार्वभौमिक अधिकारों के रूप में मान्यता दी गई थी जो इक्कीसवीं सदी में लोगों के बीच संबंधों को दर्शाता है और इस संबंध में ही प्रत्येक वर्ष **20** दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता दिवस मनाए जाने का निर्णय लिया गया।

Madhu priya
M.S Rampur bmc
Forbesganj Araria

TEACHERS OF BIHAR

THE CHANGE MAKERS

दिवस विशेष

21 दिसंबर

रेडियम की खोज 21 दिसंबर

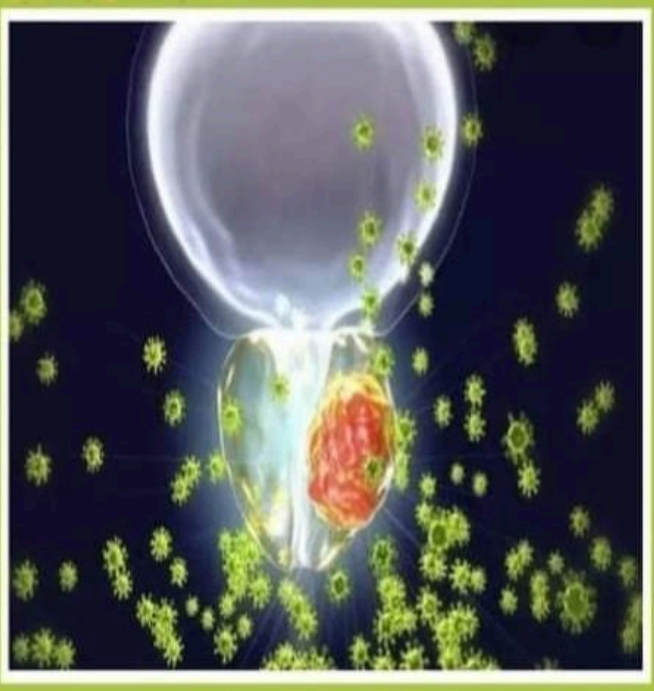

विज्ञान जगत के लिए **21** दिसंबर बेहद अहम है। साल **1898** में आज ही के दिन मैरी क्यूरी और उनके पति पियरे ने रेडियम की खोज की थी। खनिज का अध्ययन करते हुए जब उन्होंने उससे यूरेनियम अलग कर दिया तो पाया कि बाकी बचे हिस्से में अभी भी कोई रेडियोधर्मी तत्त्व बाकी था। उन्होंने इस तत्व को रेडियम नाम दिया। रेडियम आवर्त सारणी के द्वितीय मुख्य समूह का अंतिम तत्व है। रेडियोऐक्टिव तत्वों में इसका मुख्य स्थान है। इसके अनेक रेडियोऐक्टिव समस्थानिक मिलते हैं जिनमें **226** द्रव्यमान संख्या का समस्थानिक सबसे स्थिर है। रेडियम की खोज पियरे क्यूरी तथा श्रीमति क्यूरी ने **1898** ई. में की थी। यूरेनियम अयस्क, पिचब्लेंड की रेडियोऐक्टिवता विशुद्ध यूरेनियम से अधिक होती है। **4** फरवरी **1936** में पहली बार कृत्रिम रेडियम का निर्माण किया गया था।

Madhu priya
M.S Rampur bmc
Forbesganj, Araria

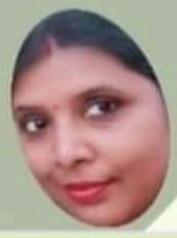

/teachersofbihar

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

22 दिसंबर

राष्ट्रीय गणित दिवस 22 दिसंबर

भारत में साल **2012** से प्रत्येक वर्ष **22** दिसंबर को राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया जाता है। यह दिन महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इस वर्ष देश भर में रामानुजन की **133** वीं जयंती मनाई जा रही है। रामानुजन के पास विचारों का खजाना था जिन्होंने **20** वीं सदी के गणित को बदलकर एक नया आकर दिया। ये विचार **21** वीं सदी के गणित को आकार देते रहते हैं। राष्ट्रीय गणित दिवस मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य लोगों को गणित के विकास और मानवता के विकास में इसके महत्व से अवगत कराना है। राष्ट्रीय गणित दिवस पहली बार **2012** में मनाया गया था जब पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने इस दिन को **26** फरवरी **2012** को राष्ट्रीय गणित दिवस के रूप में घोषित किया था। बता दें कि डॉ. मनमोहन सिंह रामानुजन की उपलब्धियों के लिए उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए मद्रास विश्वविद्यालय का दौरा कर रहे थे। तब से हर साल **22** दिसंबर को गणित के क्षेत्र में रामानुजन के काम का सम्मान करने के लिए ये खास दिन मनाया जाता है।

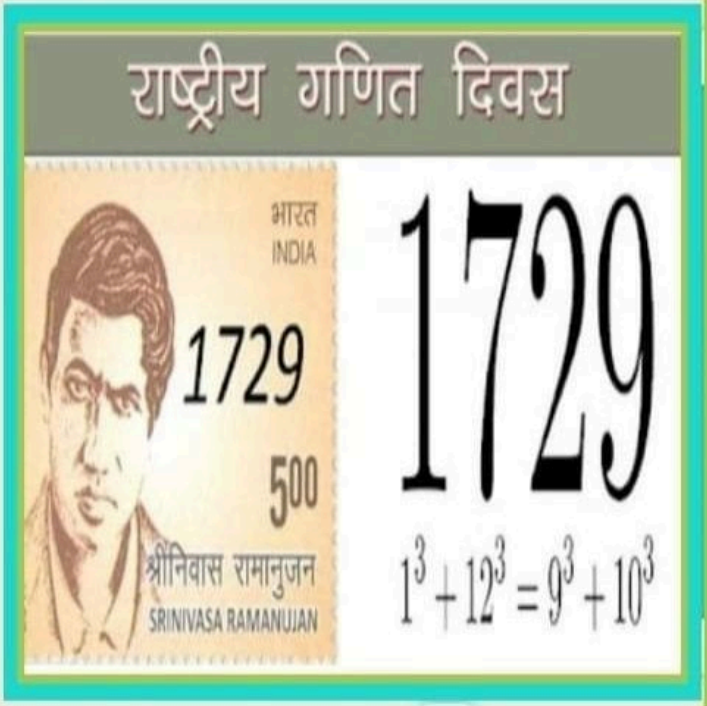

Madhu priya
M.S Rampur bmc
Forbesganj, Araria

TEACHERS OF BIHAR

THE CHANGE MAKERS

दिवस विशेष

23 दिसंबर

राष्ट्रीय किसान दिवस 23 दिसंबर

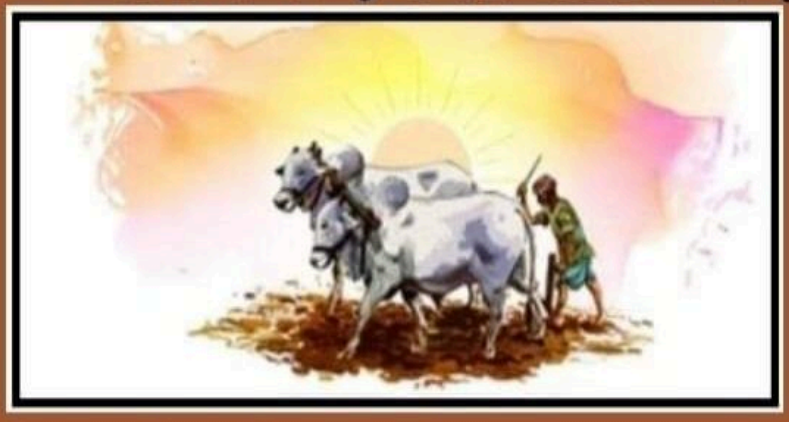

राष्ट्रीय किसान दिवस एक राष्ट्रीय अवसर के रूप में हर साल 23 दिसंबर को मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य किसानों की स्थिति के उत्थान पर ध्यान देना है। इसे भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के सम्मान में मनाया जाता है। वह एक किसान परिवार से थे। किसान हर देश की प्रगति में विशेष सहायक होते हैं। एक किसान ही है जिसके बल पर देश अपने खाद्यान्नों की खुशहाली को समृद्ध कर सकता है। देश में राष्ट्रपिता गांधी जी ने भी किसानों को ही देश का सरताज माना था। पूर्व प्रधानमंत्री चरण सिंह को किसानों के अभूतपूर्व विकास के लिए याद किया जाता है। चौधरी चरण सिंह की नीति किसानों व ग़रीबों को ऊपर उठाने की थी। उन्होंने हमेशा यह साबित करने की कोशिश की कि बगैर किसानों को खुशहाल किए देश व प्रदेश का विकास नहीं हो सकता। चौधरी चरण सिंह ने किसानों की खुशहाली के लिए खेती पर बल दिया था। किसानों को उपज का उचित दाम मिल सके इसके लिए भी वह गंभीर थे। उनका कहना था कि भारत का संपूर्ण विकास तभी होगा जब किसान, मज़दूर, ग़रीब सभी खुशहाल होंगे।

MADHU PRIYA
M.S RAMPUR BMC
FORBESGANJ, ARARIA

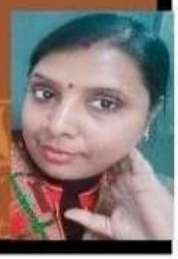

/teachersofbihar

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

दिवस विशेष
24 दिसंबर

राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस 24 दिसंबर

भारत में **24** दिसम्बर राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के रूप में मनाया जाता है। सन् **1986** में इसी दिन उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम विधेयक पारित हुआ था। इसके बाद इस अधिनियम में **1991**तथा **1993** में संशोधन किये गए। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम को अधिकाधिक कार्यरत और प्रयोजनपूर्ण बनाने के लिए दिसम्बर **2002** में एक व्यापक संशोधन लाया गया और **15** मार्च **2003** से लागू किया गया। परिणामस्वरूप उपभोक्ता संरक्षण नियम **1987** में भी संशोधन किया गया और **5** मार्च **2004** को अधिसूचित किया गया था। भारत सरकार ने **24** दिसम्बर को राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस घोषित किया है क्योंकि भारत के राष्ट्रपति ने उसी दिन ऐतिहासिक उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम **1973** के अधिनियम को स्वीकारा था। इसके अतिरिक्त **15** मार्च को प्रत्येक वर्ष विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के रूप में मनाया जाता हैं। यह दिन भारतीय ग्राहक आन्दोलन के इतिहास में सुनहरे अक्षरो में लिखा गया है। भारत में यह दिवस पहली बार वर्ष **2000** में मनाया गया।इस वर्ष राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस का थीम वैश्विक स्वास्थ्य संकट, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के नुकसान आदि से निपटने के लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

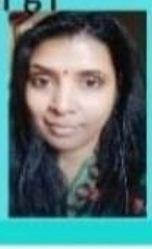

Madhu priya
M S Rampur bmc
Forbesganj Araria

/teachersofbihar

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष 25 दिसंबर

सुशासन दिवस 25दिसंबर

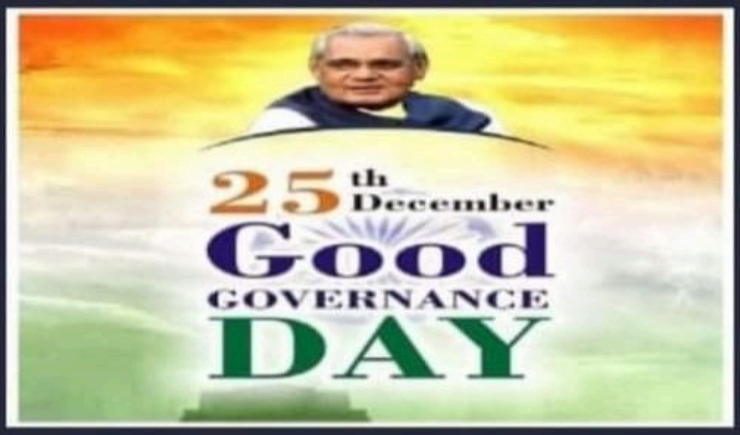

देश में महत्वपूर्ण दिवसों की सूची में एक महत्वपूर्ण दिन **25** दिसंबर का होता है जिसे सुशासन दिवस कहा जाता है। यह दिन हमारे भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल जी के जन्मदिवस के दिन ही आता है। असल में इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य इनकी जन्म तारीख को एक खास पहचान देकर इन्हे सम्मानित करना भी है। साल **2014** में सरकारी कार्यालयों में लोगों को अपने कार्यो के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इस दिन की स्थापना की गई और इस दिन के इस सिद्धांत को ध्यान में रखने के लिए यह दिन सरकारी दफ्तरों के लिए अवकाश न होते हुये एक कार्यकारी दिवस होता है। भारतीय राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी द्वारा **23** दिसंबर **2014** को नब्बे वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और पंडित मदन मोहन मालवीय (मरणोपरांत) को भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, भारत रत्न के लिए भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार के प्राप्तकर्ता के रूप में घोषित किया गया था। घोषणा के बाद उस समय नव निर्वाचित प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के प्रशासन ने इसकी स्थापना करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती को भारत में प्रतिवर्ष सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाएगा।सुशासन दिवस का उद्देश्य देश में पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन प्रदान करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता के बारे में लोगों को जागरूक करना है। यह लोगों के कल्याण और बेहतरी को बढ़ाने के लिए भी मनाया जाता है।

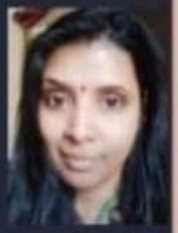

MADHU PRIYA
M.S RAMPUR BMC
FORBESGANJ, ARARIA

/teachersofbihar

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

26 दिसंबर

तारक मेहता का जन्म 26 दिसंबर

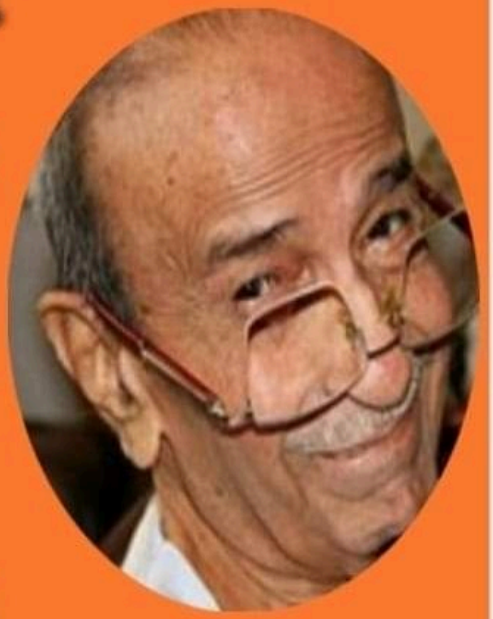

तारक मेहता का जन्म **26** दिसंबर,**1929** को अहमदाबाद, गुजरात में हुआ था। तारक मेहता भारतीय लेखक थे। उन्होंने कई प्रकार के हास्य कहानी आदि का गुजराती में अनुवाद भी किया था। तारक मेहता का साप्ताहिक लेख पहली बार मार्च, **1971** में 'चित्रलेखा' नामक एक साप्ताहिक अखबार में आया था। वे 'दुनिया ने उंधा चश्मा' नामक गुजराती भाषा में एक लेख लिखने के कारण जाने जाते हैं। **2008** में असित कुमार मोदी ने इस कहानी पर तारक मेहता का उल्टा चश्मा धारावाहिक बनाया, जो सब टीवी पर प्रसारित होता है। तारक मेहता को **2015** में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित कियातारक मेहता **1958** में गुजराती नाट्य मंडल से जुड़े **1959-60** में वे दैनिक प्रजातंत्र में डिप्टी एडिटर थे। हालांकि उन्होंने लंबे समय तक अखबार में काम नहीं किया और कुछ समय बाद सूचना और प्रसारण विभाग से जुड़ गए थे। **1960** से **1986** तक तारक मेहता भारत सरकार के सूचना और प्रसारण विभाग में कंटेट राइटर रहे, बाद में वहीं पर अधिकारी बन गये।

Madhu priya
M.S Rampur bmc
Forbesganj, Araria

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

27 दिसंबर

अन्तरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (International Monetary Fund 27 दिसंबर

इण्टरनेशनल मॉनिटरी फ़ण्ड, आईएमएफ एक अन्तर्राष्ट्रीय संस्था है जो अपने सदस्य राष्ट्रों की वैश्विक आर्थिक स्थिति पर दृष्टि रखने का कार्य करती है। यह अपने सदस्य देशों को आर्थिक और तकनीकी सहायता प्रदान करती है। यह संगठन अन्तर्राष्ट्रीय विनिमय दरों को स्थिर रखने के साथ-साथ विकास को सुगम करने में सहायता करती है। इसका मुख्यालय वॉशिंगटन डी. सी., संयुक्त राज्य में है। इस संगठन के प्रबन्ध निदेशक डॉमनिक स्ट्रॉस है। आईएमएफ की विशेष मुद्रा एसडीआर (स्पेशल ड्राइंग राइट्स) है। अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार और वित्त के लिए कुछ देशों की मुद्रा का इस्तेमाल किया जाता है जिसे एसडीआर कहते हैं। एसडीआर में यूरो, पाउण्ड, येन और डॉलर हैं। आईएमएफ की स्थापना **1944** में की गई थी। विभिन्न देशों की सरकार के **45** प्रतिनिधियों ने अमेरिका के ब्रिटेन वुड्स में बैठक कर अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक समझौते की रूपरेखा तैयार की थी। **27** दिसम्बर **1945** को **29** देशों के समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद आईएमएफ की स्थापना हुई।

Madhu priya
M.S Rampur bmc
Forbesganj, Araria

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष 28 दिसंबर

रतन टाटा का जन्म 28 दिसंबर

रतन टाटा का जन्म **28** दिसंबर **1937** को हुआ। वे टाटा समूह के संस्थापक जमशेदजी टाटा के दत्तक पोते नवल टाटा के बेटे हैं। रतन टाटा की स्कूल शिक्षा मुंबई में हुई। रतन टाटा ने कॉर्नेल यूनिवर्सिटी से आर्किटेक्चर बीएस और हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से एडवांस मैनेजमेंट प्रोग्राम किया। इन्होंने **1962** में टाटा समूह के साथ अपना करियर प्रारंभ किया। ये **1991** में जेआरडी टाटा के बाद समूह के पांचवें अध्यक्ष बने। इनको **2000** में पद्मभूषण और **2008** में पद्मविभूषण से सम्मानित किया गया। इन्होंने टेटली, जगुआर लैंड रोवर और कोरस जैसी कंपनियों का टाटा समूह में अधिग्रहण किया। इन्होंने नैनो जैसी लखटकिया कार बनाकर आम आदमी का कार का सपना साकार किया। ये समाज की झूठी चमक-दमक में विश्वास नहीं करते हैं। सालों से मुम्बई के कोलाबा जिले में एक किताबों एवं कुत्तों से भरे हुए बेचलर फ्लैट में रह रहे हैं।

Madhu priya
M.S Rampur bmc
Forbesganj, Araria

/teachersofbihar

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

29 दिसंबर

रामानंद सागर का जन्म 29 दिसंबर

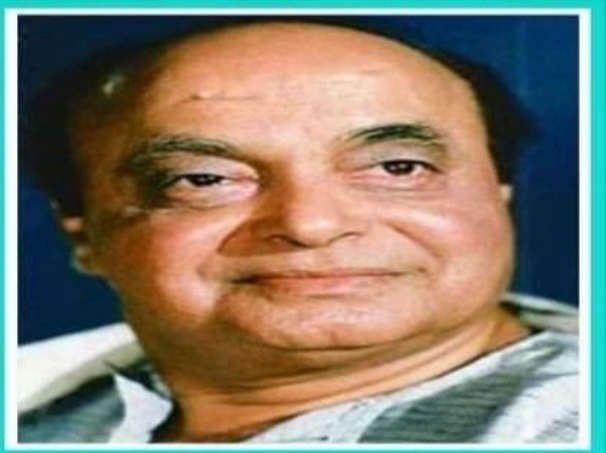

रामानंद सागर का जन्म लाहौर के नजदीक असल गुरु नामक स्थान पर 29 दिसम्बर 1927 को एक धनाढ्य परिवार में हुआ था। उन्हें अपने माता पिता का प्यार नहीं मिला क्योंकि उन्हें उनकी नानी ने गोद ले लिया था। पहले उनका नाम चंद्रमौली था लेकिन नानी ने उनका नाम बदलकर रामानंद रख दिया। 16 साल की अवस्था में उनकी गद्य कविता श्रीनगर स्थित प्रताप कॉलेज की मैगजीन में प्रकाशित होने के लिए चुनी गई। युवा रामानंद ने दहेज लेने का विरोध किया जिसके कारण उन्हें घर से बाहर कर दिया गया। इसके साथ ही उनका जीवन संघर्ष आरंभ हो गया। उन्होंने पढ़ाई जारी रखने के लिए ट्रक क्लीनर और चपरासी की नौकरी की। वे दिन में काम करते और रात को पढ़ाई। मेधावी होने के कारण उन्हें पंजाब विश्वविद्यालय से स्वर्ण पदक मिला और फारसी भाषा में निपुणता के लिए उन्हें मुंशी फज़ल के खिताब से नवाजा गया। इसके बाद सागर एक पत्रकार बन गए और जल्द ही वह एक अखबार में समाचार संपादक के पद तक पहुंच गए। इसके साथ ही उनका लेखन कार्य भी चलता रहा। बंटवारे के समय 1947 में वे भारत आ गए। उस समय उनके पास संपत्ति के रूप में महज पांच आने थे। भारत में वह फिल्म क्षेत्र से जुड़े और 1950 में खुद की प्रोडक्शन कंपनी सागर आर्ट्स बनाई जिसकी पहली फिल्म मेहमान थी। वर्ष 1985 में वह छोटे परदे की दुनिया में उतर गए। उनके द्वारा निर्मित सर्वाधिक लोकप्रिय धारावाहिक रामायण ने लोगों के दिलों में उनकी छवि एक आदर्श व्यक्ति के रूप में बना दी। इनकी मुख्य रचनाएँ धारावाहिक- रामायण, कृष्णा, विक्रम बेताल, अलिफ़ लैला, जय गंगा मैया आदि हैं।

मुख्य फ़िल्में इंसानियत, कोहिनूर, पैगाम, आँखें, ललकार, चरस, आरज़ू, गीत, बग़ावत आदि हैं। इन्हें पद्मश्री तथा फ़िल्मफेयर पुरस्कार सर्वश्रेष्ठ निर्देशक (आँखें), फ़िल्मफेयर पुरस्कार सर्वश्रेष्ठ लेखक (पैग़ाम) के लिए मिला। उनके द्वारा निर्मित और निर्देशित धारावाहिक "रामायण" ने देश में अद्भुत सांस्कृतिक जागरण पैदा किया।

Madhu priya
M.S Rampur bmc
Forbesganj, Araria

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष 30 दिसंबर

विक्रम साराभाई स्मृति दिवस 30 दिसंबर

गुजरात के अहमदाबाद में **12** अगस्त **1919** को जन्मे विक्रम साराभाई ने इंटरमीडिएट तक की शिक्षा गुजरात कॉलेज से ही पूरी की। इन्होंने अनेक वैज्ञानिक शोध पत्र लिखे एवं चालीस संस्थान खोले। इनको विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के क्षेत्र में सन **1966** में भारत सरकार द्वारा पद्मभूषण से सम्मानित किया गया था। डॉ॰ विक्रम साराभाई के नाम को भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम से अलग नहीं किया जा सकता। यह जगप्रसिद्ध है कि वह विक्रम साराभाई ही थे जिन्होंने अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में भारत को अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र पर स्थान दिलाया लेकिन इसके साथ-साथ उन्होंने अन्य क्षेत्रों जैसे वस्त्र, आणविक ऊर्जा, इलेक्ट्रानिक्स और अन्य अनेक क्षेत्रों में भी बराबर का योगदान किया। साराभाई को भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम का जनक माना जाता है। वे महान संस्थान निर्माता थे और उन्होंने विविध क्षेत्रों में अनेक संस्थाओं की स्थापना की या स्थापना में मदद की। अहमदाबाद में भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला की स्थापना में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Madhu priya
M.S Rampur bmc
Forbesganj, Araria

/teachersofbihar

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष 31 दिसंबर

ईस्ट इंडिया कंपनी स्थापना 31 दिसंबर

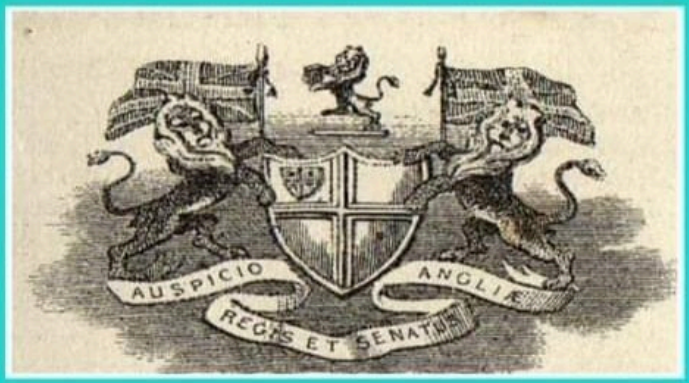

ईस्ट इण्डिया कम्पनी एक निजी व्यापारिक कम्पनी थी जिसने **1600** ई. में शाही अधिकार पत्र द्वारा व्यापार करने का अधिकार प्राप्त कर लिया था। इसकी स्थापना **1600** ई. के अन्तिम दिन महारानी एलिजाबेथ प्रथम के एक घोषणापत्र द्वारा हुई थी। यह लन्दन के व्यापारियों की कम्पनी थी जिसे पूर्व में व्यापार करने का एकाधिकार प्रदान किया गया था। कम्पनी का मुख्य उद्देश्य धन कमाना था। **1708** ई. में ईस्ट इण्डिया कम्पनी की प्रतिद्वन्दी कम्पनी 'न्यू कम्पनी' का 'ईस्ट इण्डिया कम्पनी' में विलय हो गया। परिणामस्वरूप 'द यूनाइटेड कम्पनी ऑफ़ मर्चेंट्स ऑफ़ इंग्लैण्ड ट्रेडिंग टू ईस्ट इंडीज' की स्थापना हुई। कम्पनी और उसके व्यापार की देख-रेख 'गर्वनर-इन-काउन्सिल' करती थी। कंपनी के कई नाम हैं लेकिन इसे ईस्ट इंडिया कंपनी के नाम से जाना जाता है। **1850** में लीडनहॉल स्ट्रीट में बना 'न्यू ईस्ट इंडिया हाउस'।

Madhu priya
M.S Rampur bmc
Forbesganj, Araria

/teachersofbihar